www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 319 | जौनपुर शुक्रवार, 10 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सोमवार तक के लिए टला

बिहार, (एजेंसी)। बिहार के मशहूर शिक्षक फैसल खान उर्फ खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर आने वाला फैसला अब सोमवार तक के लिए टल गया है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के अवकाश पर होने की वजह से शुक्रवार को इस मामले में आदेश नहीं सुनाया जा सका। इससे पहले, अदालत ने बुधवार को दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह पूरा मामला जून की शुरुआत में पटना में हुई एक गोलीबारी की घटना से संबंधित है। आरोप है कि खान सर के कोचिंग संस्थान में कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की थी, जिसके बाद उनके सुरक्षाकर्मियों ने कथित तौर पर गोलीबारी की थी। खान सर के वकील अरविंद कुमार मौआर ने जानकारी दी कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश के छुट्टी पर होने के कारण शुक्रवार को फैसला नहीं आ पाया और अब सोमवार को आदेश सुनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत का फैसला आने तक खान सर के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई न किए जाने का अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा। गौरतलब है कि अदालत ने बुधवार को खान सर की याचिका के साथ–साथ उनके दो सुरक्षाकर्मियों की नियमित जमानत याचिका और कोचिंग संस्थान के तीन अन्य कर्मचारियों की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर भी अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सरकार मुजराई मंदिरों में दान पेटियों के पास लगाएगी सीसीटीवी – सीएम शिवकुमार

बेलगावी, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे प्रबंधन में कथित अनियमितताओं को देखते हुए राज्य सरकार ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने और श्रद्धालुओं के दान के दुरुपयोग को रोकने के लिए मुजराई विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी मंदिरों में हुंडी (दान पेटी) के सामने सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला किया है। समय और कैलेंडर उन्होंने यह घोषणा बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा में आयोजित बेलगावी डिवीजन प्रोग्रेस रिव्यू मीटिंग के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की। उनके इस बयान के बाद राज्य में राजनीतिक बहस शुरू होने की संभावना है। शिवकुमार ने कहा, ष्राम मंदिर से जुड़े मामलों में सामने आई अनियमितताओं ने श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। लोगों ने आस्था के साथ दान दिया, लेकिन कथित तौर पर धर्म के नाम पर उस धन का गलत इस्तेमाल किया गया, इसलिए हमारी सरकार ने मुजराई विभाग के तहत आने वाले सभी मंदिरों में हुंडी के सामने सीसीटीवी निगरानी अनिवार्य करने का फैसला किया है।ष उन्होंने कहा कि यह निगरानी व्यवस्था उन स्थानों पर भी लागू होगी, जहां दान एकत्र किया जाता है, खोला जाता है और उसकी गिनती की जाती है।

जो लोग आज आस्था की बात करते हैं,उन्होंने अयोध्या में हमारे पवित्र हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का किया था काम - योगी आदित्यनाथ

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।जो लोग आज आस्था की बात करते हैं,उन्होंने अयोध्या में हमारे पवित्र हनुमानगढ़ी में नमाज पढ़वाने का काम किया था।आप सोचिए,क्या कोई जामा मस्जिद में कभी हनुमान चालीसा का पाठ कर पायेगा।क्या सरकारें करवा पाएगी? क्या कांग्रेस और समाजवादी पार्टी करवा पाएगी? अगर नही करवा पाएगी तो ये पाप क्यों करवाया गया था?अयोध्या में हनुमान गढ़ी की सीढ़ियों पर ये पाप क्यो करवाया गया था।यह बाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या के बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल तहसील मुख्यालय पर कही।इस मौके पर योगी आदित्य नाथ ने कहा कि अयोध्या का जो विरोध कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के लोग कर रहे हैं,वो इसलिए विरोध कर रहे हैं,वो नही कर पाए थे,इसलिए बुरा लग रहा है कि महर्षि वाल्मीकि के नाम पर क्यो हो गया।अयोध्या में रैन बसेरा निषादराज गुह के नाम पर हो गया उनको यही बुरा लगता है कि निषादराज के नाम पर वो नही कर पाए।हमने तो यहां किया ही साथ ही श्रृंगवेरपुर में भगवान राम और निषादराज के मिलन की भव्य प्रतिमा बनवा कर रखा है,जिसको तुम कब्जा करवा रहे थेवक्फ के नाम पर कब्जा करवा रहे थे।मंशा साफ हो तो कार्य अपने आप होते हैं,नीति स्पष्ट हो तो नियंता अपने आप सहयोग करता है।जो आज वह अयोध्या में दिखाई देता है।उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की कृपा और पवनसुत हनुमान जी का भी असीम आशीर्वाद जब प्राप्त होता है तो अयोध्या के सारे काम अपने आप बढ़ते दिखाई देता है।अयोध्या का विकास हो रहा है।अगर देखे तो कोई सोचता था,अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन पाएगा। ये समाजवादी पार्टी के लोग विरोध करते थे,एयरपोर्ट के नाम पर गुमराह करते थे,आज महर्षि वाल्मीकि के नाम पर अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सभी प्रमुख शहरों के साथ जुड़ चुका है।यही अंतर है,समाजवादी पार्टी कांग्रेस के लोगों ने मंदिर निर्माण में बाधा खड़ी की,राम के नाम पर प्रश्न खड़ा किया,रामभक्तों पर गोलियां चलवाई,अयोध्या के नाम पर पहचान का संकट खड़ा किया।कहा कि डबल इंजन की सरकार आई, भगवान राम का भव्य मंदिर का निर्माण हो गया,कोई रोक नही पाया।कहा कि अयोध्या ने वह करके दिखाया है जो 500 वर्षो में नही हो पाया था। पीढ़ियों पर पीढियां गईं, संतो, राजाओं,समाज के प्रत्येक तबगे ने रामजन्मभूमि मुक्ति के लिए आंदोलन किया,संघर्ष किया। लेकिन,जो लोग कहते थे कि अयोध्या में परिंदा भी पर नही मार सकता,आज वो देख रहे हैं कि अयोध्या में लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने विधायक अमित सिंह चौहान के दिवंगत पिता और पूर्व मंत्री मुन्ना सिंह चौहान की प्रतिमा का अनावरण किया।वही ध्432 करोड़ से अधिक की लागत वाली 217 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास किया।इस मौके पर सीएम ने दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 736 समूहों को रू11 करोड़ 40 लाख की सीसीएल राशि प्रदान की।विद्युत सखियों को थर्मल प्रिंटर बांटें। विद्याशक्ति पहल के तहत सीएसआर के माध्यम से 63,100 निरक्षर महिलाओं को लाभान्वित किया।बैंक सखियों को प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी सौंपी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को चेक, पीएम सूर्य घर योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, विश्वकर्मा सम्मान योजना के तहत किट, गौशालाओं को वर्मी कम्पोस्ट उर्वरक और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड बांटें।

भारत बनेगा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का रणनीतिक लीडर, जीसीसी में और बोलीं मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नई दिल्ली में आयोजित श्सीआईआई जीसीसी बिजनेस समिट 2026श में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि भारत बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) के लिए एक रणनीतिक लीडर बनना चाहता है। भारत का लक्ष्य दुनिया की नॉलेज इकोनॉमी में अपनी जगह को बेहद जरूरी बनाना है। इससे देश की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने बताया कि साल 2024 में भारत में हर हफ्ते एक नया जीसीसी खुलता था। अब यह रफ्तार बहुत बढ़ गई है। अब भारत में हर दिन औसतन एक नया जीसीसी खुल रहा है। इस वजह से दुनिया के आधे से ज्यादा जीसीसी अब भारत में ही हैं। भारत में इस समय 2,100 से ज्यादा जीसीस वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का जीसीसी सफर अब सिर्फ संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। अब ध्यान अगली पीढ़ी के उत्पाद और नई तकनीक बनाने पर है। पहले कंपनियां सिर्फ लागत कम करने के लिए भारत आती थीं। अब वे इनोवेशन बढ़ाने, नई खोज करने और अपनी रणनीतियों को मजबूत करने के लिए भारत आ रही हैं। फॉर्च्यून ग्लोबल 2000 कंपनियों में से लगभग दो–तिहाई कंपनियों ने अभी तक भारत में अपना जीसीसी नहीं खोला है। यह भारत के लिए निवेश का एक बहुत बड़ा मौका है। भारत चाहता है कि दुनिया के विचार, पेटेंट, उत्पाद, एल्गोरिदम और प्लेटफॉर्म भारत में ही तैयार हों। वित्त मंत्री ने उद्योग जगत से अपील की कि वे राज्य सरकारों, शिक्षण संस्थानों और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करें। इससे देश के टियर–2 और टियर–3 शहरों को जीसीसी निवेश के अगले दौर के लिए तैयार किया जा सकेगा।

असामान्य जनसांख्यिकीय बदलावों पर लगेगी रोक, मोदी सरकार का संकल्प

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 119 जिलों के पुलिस अधीक्षकों (चे) की एक बैठक की अध्यक्षता की। सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के लिए लागू किए जा रहे उपायों की समीक्षा करते हुए शाह ने कहा कि सरकार देश को घुसपैठ–मुक्त बनाने के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार कर रही है। उन्होंने कॉन्फ्रेंस में कहा कि असामान्य कारणों से होने वाली आबादी की बढ़ोतरी की पहचान करने और भविष्य में इसे रोकने के उपाय सुझाने के लिए डेमोग्राफिक मिशन शुरू किया गया है। मोदी सरकार का संकल्प है कि आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली बढ़ोतरी को रोका जाए। शाह ने कहा कि कॉन्फ्रेंस में सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी, मौजूदा चुनौतियों के समाधान तलाशे जाएंगे और सही नीतिगत उपाय तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में, हम तटीय सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में समग्र रूप से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सीमा की सुरक्षा करने वाले बलों, राज्य और जिला प्रशासन, भारत सरकार के संबंधित अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों को एक साथ लाकर एक मजबूत चौतरफा सुरक्षा ग्रिड बना रही है। उन्होंने आगे कहा कि श्स्मार्ट बॉर्डरश के विजन पर आधारित भारत का सीमा सुरक्षा सिस्टम दुनिया का सबसे आधुनिक सिस्टम बन जाएगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती इलाके और सतर्क समाज मिलकर देश की सुरक्षा और तरक्की सुनिश्चित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर में नक्सलवाद और आतंकवाद से मुक्ति मिली है, जो हमारी सामूहिक सफलता का संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार नशीले पदार्थों की समस्या पर कड़ा प्रहार करेगी और अगले तीन वर्षों में उस पर जीत हासिल करेगी। पिछली सरकारों के कामकाज का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि पहले समस्याएँ तो स्थायी बनी रहती थी।

राम मंदिर में 'चढ़ावा चोरी' के दोषियों को सजा दिलाने के लिए देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान चलाएगी 'आप' - अरविंद केजरीवाल

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि पार्टी अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित ''चढ़ावा चोरी'' से जुड़े विवाद में शामिल दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग को लेकर एक देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू करेगी। उन्होंने लोगों से इस मामले में एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर इस कथित चोरी के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दिलाना हर सनातनी का कर्तव्य है। इस अभियान के तहत हर नागरिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पत्र पर हस्ताक्षर करके उनसे अपील करेगा।

केजरीवाल ने बताया कि 'आप' रविवार को दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क में 'सुंदर कांड' पाठ का आयोजन करेगी, जहां से इस हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास कर रही है, जिसके खिलाफ लोगों को एकजुट होना होगा और बड़ी संख्या में इस अभियान से जुड़ना होगा। यह विवाद उस समय गहराया है जब विपक्ष राम मंदिर के चढ़ावा प्रबंधन में कथित वित्तीय अनियमितताओं की न्यायिक जांच की मांग कर रहा है। विवाद की शुरुआत सात जून को हुई थी, जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चढ़ावे के गबन का आरोप लगाया था। हालांकि, मंदिर ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि आंतरिक लेखा परीक्षा में कोई उल्लेखनीय बात सामने नहीं आई थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद, चंपत राय ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया।

एमसीडी क्षेत्र के करीब 5,000 रेहड़ी–पटरी वालों को पीएम स्वनिधि के तहत मिला 16 करोड़ का लोन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले करीब 5,000 रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं के लिए अच्छी खबर है। चालू वित्त वर्ष में केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत अब तक इन छोटे व्यापारियों को 16 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जा चुका है। अधिकारियों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस योजना से रेहड़ी–पटरी वालों को अपने कारोबार को मजबूती देने में मदद मिल रही है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026–27 में अप्रैल से लेकर जुलाई के शुरुआती दिनों तक बैंकों ने कुल 4,931 लाभार्थियों को इस योजना के तहत 16.08 करोड़ रुपये का ऋण दिया है। खास बात यह है कि इस योजना के अंतर्गत बिना किसी जमानत (गारंटी) के ऋण दिया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से अधिकांश रेहड़ी–पटरी वालों ने ऋण की तीसरी किस्त प्राप्त की है, क्योंकि पहली और दूसरी किस्त का समय पर भुगतान करने वाले विक्रेता अधिक राशि के अगले ऋण के पात्र बन जाते हैं। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू की गई इस योजना का लाभ उठाने के लिए विक्रेताओं के पास विक्रय प्रमाणपत्र (सीओवी) होना आवश्यक है। इसके तहत कारोबार को शुरू करने, उसे बनाए रखने और बढ़ाने के लिए तीन चरणों में ऋण दिया जाता है। इस योजना के माध्यम से तीनों किस्तों को मिलाकर कुल 90,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

मायावती का कार्यकर्ताओं को संदेश, आंदोलनों के बजाय वोट की ताकत से हासिल करें राजनीतिक सत्ता

लखनऊ, (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने दलितों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों से भावनाओं में बहकर सड़क पर उतरने के बजाय संविधान और कानून के दायरे में रहकर संघर्ष करने की अपील की है। शुक्रवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में मीडिया को जारी बयान में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इन वर्गों को वोट की ताकत और संवैधानिक अधिकार दिए हैं। इसलिए राजनीतिक सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में लेना ही उनके दुखों का स्थायी समाधान है। मायावती ने कहा कि किसी भी अत्याचार या अन्याय की स्थिति में कानून को हाथ में लेने के बजाय अदालत का सहारा लेना चाहिए। यदि निचली अदालत से न्याय न मिले तो उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक जाना चाहिए। उन्होंने मेरठ, सहारनपुर, प्रयागराज और हरदोई सहित अन्य राज्यों की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सड़कों पर उतरने से समस्याओं का समाधान नहीं होता। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ संगठन और राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए पीड़ित वर्गों को भड़काकर आंदोलन कराते हैं और बाद में राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। इससे पीड़ितों को न्याय मिलने के बजाय उनकी परेशानियां और बढ़ जाती हैं। बसपा प्रमुख ने कहा कि दलित, पिछड़े और अन्य उपेक्षित वर्गों को विधानसभा, लोकसभा और स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर विशेष रूप से सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर और गौतम बुद्ध के बताए शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक मार्ग पर चलने तथा एकजुट होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

नोएडा सेक्टर 63 अंतर्गत हिंडन नदी में नहाने गया 22 वर्षीय युवक सूरज डूबा - पुलिस रेस्क्यू करने में जुटी

ब्यूरो चीफ/
सत्य प्रकाश उपाध्याय

नोएडा । नोएडा सेक्टर 63 अंतर्गत हिंडन नदी में कल शाम लगभग 7:00 बजे के आस पास 22 वर्षीय सूरज नामक युवक नहाने के लिए गया था ,गुरुवार की हुई तेज बारिश के कारण नदी का जल स्तर बढ़ा हुआ था और पानी का बहाव भी काफी तेज था, नहाते समय सूरज पानी के तेज बहाव में आ गया और देखते ही देखते वह डूबता चला गया उसके साथ उसके दो दोस्त भी नहाने के लिए गए थे, ष्देश की उपासनाष समाचार पत्र से बातचीत में सूरज की मां ने बताया कि उनका लड़का हरिद्वार जाने के लिए कपड़े वगैरा पैक करवाया था जाने से पहले वह हिंडन नदी में डुबकी लगाने के लिए गया , उसकी मां ने जानकारी देते हुए बताया कि उसने भी उसको डूबते हुए देखा और पीछे–पीछे दौड़ी लेकिन वह कुछ दूर तक दिखाई दिया फिर पानी के बहाव में बहता चला गया, वह तुरंत नजदीक की चौकी सेक्टर 63 अंतर्गत 25 फुटा रोड पर गई और वहां के चौकी इंचार्ज आशीष चौधरी से मिली और जैसे ही इस दुर्घटना की सूचना चौकी इंचार्ज आशीष चौधरी को मिली वह तुरंत आनन–फानन में अपनी पूरी पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और बचाव कार्य में जुट गए, उन्होंने तुरंत अपने से बड़े अधिकारियों को सूचना दी और गोताखोरों की टीम को भी बुलाया, दुर्घटना की सूचना मिलते ही नोएडा पुलिस के अधिकारियों में एस एच ओ अमित कुमार, एसीपी दीक्षा सिंह, एडीसीपी स्वतंत्रदेव तथा नोएडा एसडीएम भी मौके पर पहुंच गए तथा गोताखोरों की टीम भी मौके पर पहुंच गई और रात के अंधेरे में टॉर्च के सहारे युवक को ढूंढना चालू कर दिया गया, लेकिन दोनों टीमों के कड़े प्रयास के बावजूद कल देर रात तक युवक को निकाला नहीं जा सका द्य नदी में बहाव तेज होने और अंधेरा बढ़ जाने के कारण प्रशासन को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है, समाचार लिखे जाने तक युवक का पता नहीं चल पाया है, पुलिस प्रशासन और गोताखोरों की संयुक्त टीम के द्वारा लगातार युवक की तलाश की जाती रही हैद्यइस बारिश में मौसम में आम जनमानस से अपील है कि अपने बच्चों को इस तरह नदी में स्नान करने से बचाए ताकि कोई भी अनहोनी घटित ना हो पाए।

संपादकीय

विदेशी कंपनियों का पूरा नियंत्रण

फिनटेक से संबंधित भारत के महत्त्वपूर्ण डेटा तक अमेरिकी कंपनियों की पैठ गहराती जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र पर वॉलमार्ट, गूगल, मेटा आदि जैसी विदेशी कंपनियों का लगभग पूरा नियंत्रण है। फिनटेक ऐप क्रेड में 90 करोड़ डॉलर के निवेश और क्रेड के संस्थापक कुणाल शाह को ह्वाट्सऐप का वैश्विक प्रमुख बनाने के मेटा के फैसले से उचित ही भारतवासियों में उपलब्धि बोध भरा है। शाह अब अनेक बड़े नामों में शामिल हो गए हैं, जो भारत से शुरुआत करते हुए सबसे बड़ी अमेरिकी कंपनियों में सर्वोच्च पद पर पहुंच गए। यह भारत की तकनीकी एवं प्रबंधकीय शिक्षा व्यवस्था की प्रतिभा तराशने की उच्च क्षमता की एक मिसाल है। मगर इस चकमते सिक्के का एक दूसरा पहलू भी है। ऐसी हर उपलब्धि इस हकीकत को बेनकाब करती है कि भारत प्रतिभाओं का लॉन्च पैड बनने से आगे नहीं बढ़ पाया है। स्वदेशी प्रतिभाएं भारत में स्टार्ट–अप्स के जरिए अपनी पहचान बनाती हैं, जिन्हें जल्द ही खासकर अमेरिकी कंपनियां खींच ले जाती हैं। नतीजतन, आज तक एक भी भारतीय ब्रांड अपनी अद्वितीय वैश्विक पहचान नहीं बना पाया है। क्रेड के सिलसिले में यह चिंताजनक पहलू भी उभरा है कि भारतीय फिनटेक में रणनीतिक निवेश के जरिए देश के महत्त्वपूर्ण डेटा तक अमेरिकी कंपनियों की पैठ गहराती जा रही है। भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र पर वॉलमार्ट, गूगल, मेटा आदि जैसी विदेशी कंपनियों का लगभग पूरा नियंत्रण है। 2018 में लॉन्च हुए क्रेड के आज लगभग एक करोड़ 70 लाख यूजर हैं, जो अपने क्रेडिट कार्ड, बीमा खरीदारी, यूपीआई पेमेंट, ऋण, निवेश आदि से जुड़े कार्य इस कार्ड से करते हैं। ये भारत के सबसे समृद्ध उपभोक्ता हैं, जिनका बेहद अहम डेटा क्रेड के पास है। आशंका पैदा हुई है कि भविष्य में इस कंपनी अपना निवेश बढ़ाकर मेटा इन सारे आंकड़ों की मालिक बन सकती है। गौरतलब है कि ह्वाट्सऐप का इस्तेमाल भी पेमेंट ऐप के रूप में होता है। यह डेटा मेटा के आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एजेंट के लिए भी बड़े काम का साबित हो सकता है। भारत में चीन की तरह डेटा ट्रांसफर पर रोक की कारगर कानूनी व्यवस्था नहीं है। ऐसे में संप्रभु एआई या संप्रभु हाई टेक का विकास की बातें खोखली नजर आने लगती हैं। इसीलिए क्रेड और मेटा में बना संबंध चिंता के पहलुओं को भी उजागर कर गया है।

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

उमेश

जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और ध र्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था। इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच–नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत–मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहा था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा। बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विध ानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रध ानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन–जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है। भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर–खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी–बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता–पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह–बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं। भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है।

भारत के आर्थिक विकास को रोकने के लिए अमेरिका सब कुछ करेगा

सात्यकी

इतिहास प्रस्तावित भारत–अमेरिका व्यापार समझौते की पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन वरिष्ठ अधिकारी लैंडाऊ के बयान का लहजा कई व्यापार विशेषज्ञों की उन आशंकाओं को सही ठहराता है कि अमेरिका जल्दबाजी में भारत पर ऐसा व्यापार समझौता थोप रहा है जिसमें सिर्फ अमेरिका के हितों की रक्षा हो रही है, भारत के नहीं। ट्रंप–मोदी की दोस्ती और भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता जारी रहने के बीच, पूर्व भारतीय गुप्तचर विभाग के प्रमुख विक्रम सूद ने रविवार को एक ब्रिटिश नेटवर्क को दिए साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट क्रिस्टोफर लैंडाऊ ने मार्च 2026 में अपने भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों से कहा था कि वाशिंगटन भारत की तेज आर्थिक विकास को रोकने के लिए टैरिफ, प्रतिबंध और दूसरे तरीकों का इस्तेमाल करेगा और भारत को अमेरिका के साथ मुकाबला करने वाली एक बड़ी ताकत के तौर पर उभरने नहीं देगा।सूद के मुताबिक लैंडाऊ ने उस नई दिल्ली बैठक में कहा था, श्हमने चीन को एक बड़ी आर्थिक ताकत बनने में मदद करके गलती की। हम भारत के साथ ऐसा नहीं करने जा रहे हैं। हम वह गलती दोबारा नहीं करेंगे। सूद ने यह साक्षात्कार ब्रिटिश करेंट अफेयर्स प्रोग्राम न्यू ऑर्डर में दिया था, जिसे होस्ट ने लैंडाऊ की टिप्पणी के मूल वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इस साक्षात्कार ने राजनयिक हल्कों में हंगामा मचा दिया है।लैंडाऊ अभी भी डिप्टी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट हैं और उन्हें ट्रंप की मगा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) लॉबी के साथ–साथ अपने बॉस सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रुबियो के भी करीब माना जाता है। जहां तक भारत–अमेरिकी रिश्तों की बात है, रुबियो सबसे ज्यादा दिखने वाले अमेरिकी अधिकारी हैं, लेकिन लैंडाऊ ट्रंप प्रशासन के मन की बात कहते हैं। वह द्विपक्षीय रिश्तों के भविष्य के बारे में अमेरिकी सोच के बारे में खुलकर बात करते हैं।हाल के दिनों में, ट्रंप प्रशासन भारत सहित भारत–प्रशांत सुरक्षा के अपने पुराने विचार में कम दिलचस्पी ले रहा है। ट्रंप प्रशासन की बड़ी एशिया रणनीति में भारत की अहमियत कम हो गई है। यह सब इस साल मई में बीजिंग में ट्रंप–शी जिनपिंग शिखर सम्मेलन के बाद हुआ है। नतीजतन, अब उसका ध्यान भारत से व्यापार और रक्षा खरीद में ज्यादा से ज्यादा छूट लेने पर है, और साथ ही यह पक्का करना है कि भारत के विकास की रफ्तार अमेरिकी आर्थिक शक्ति के लिए कोई खतरा न बने। भारतीय विदेश मंत्रालय भी अमेरिकी डिप्टी सेक्रेटरी क्रिस्टोफर लैंडाऊ की टिप्पणी के असली मतलब का अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन चीन ने तुरंत प्रतिक्रिया दी क्योंकि लैंडाऊ ने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि अमेरिका अब भारत के मामले में ऐसी गलती नहीं करेगा। डंचे चीनी जानकारों ने नई दिल्ली के प्रति वाशिंगटन के नजरिए को श्लिमिटेड इंगेजमेंट और सीलिंग कंट्रोलश की दोहरी रणनीति बताया। उसने तर्क दिया कि अलग–अलग राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं, विश्व व्यवस्था के नजरिए, भूराजनीतिक हितों, औद्योगिक प्रतिस्पध र्धा और राजनयिक परंपराओं से पैदा हुए गहरे ढांचागत विरोधाभासों को भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत या आर्थिक सहयोग से पूरी तरह हल नहीं किया जा सकता। सिंघुआ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंध ान विभाग के निदेशक कियानफेंग ने सोमवार को ग्लोबल टाइम्स को बताया कि पिछले दो दशकों में अमेरिका–भारत संबंधों का तेजी से विस्तार एक हद तक पहुंच रहा है, क्योंकि दोनों देश ऐसे ढांचागत विरोध ाभासों का सामना कर रहे हैं जिन्हें सुलझाना मुश्किल है। ये अंतर उनके विकास के अलग–अलग चरण, रणनीतिक संस्कृति, भूराजनीतिक स्थिति, राजनयिक परंपराओं और उनके नेतृत्व के विदेश नीति आधार से पैदा होते हैं।कियान ने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता के लिए भारत की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता, वॉशिंगटन के सहयोग आधारित दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग है। नई दिल्ली ने अमेरिका के रणनीतिगत मकसदों के साथ पूरी तरह से जुड़ने के बजाय, अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर लगातार एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई है। क्वाड और भारत–प्रशान्त रणनीति जैसे ढांचे के अंदर भी भारत अमेरिका के साथ एक औपचारिक सहयोगी या कनीय सुरक्षा भागीदार के बजाय एक बराबर के भागीदार के तौर पर जुड़ना चाहता है। ऑफिशियल मीडिया में चीनी विशेषज्ञ की इस टिप्पणी से पता चलता है कि चीन अब भारत–चीन द्विपक्षीय संबंध को बेहतर बनाने के लिए भारत को लुभाने की कोशिश कर रहा है और अपने पहले के इस रूख को नरम कर दिया है कि अमेरिका ने अपनी भारत–प्रशान्त रणनीति में भारत को एक भागीदार के तौर पर लिया है, जो मुख्य रूप से चीन के खिलाफ थी। चीनी विश्लेषक का जोर इस बात पर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दबाव को नजरअंदाज करते हुए एक स्वतंत्र नीति अपनाने की कोशिश कर रहे थे। चीनी विशेषज्ञ के मुताबिक लैंडाऊ की बातें भारत के प्रति वॉशिंगटन के बड़े दृष्टिकोण को दिखाती हैं, और वह है भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा में नई दिल्ली का समर्थन मांगते हुए उसे औद्योगिक श्रृंखला के निचले सिरे पर लॉक करना। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी रणनीति भारत के रणनीतिगत लक्ष्यों के खिलाफ है। कियानफेंग के अनुसार, श्उद्योगीकरण सभी विकासशील देशों का एक कानूनी अधिकार है। जीरो–सम सोच (एक का लाभ दूसरे की हानि है) से प्रेरित होकर, अमेरिका दूसरे देशों के विकास पर एक सीमा लगाना चाहता है। टैरिफ और तकनीकी रुकावटों के जरिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को तोड़कर, यह भारत को ब्रिक्स फ्रेमवर्क के साथ–साथ चीन और रूस के साथ सहयोग को और गहरा करने के लिए ही प्रेरित करेगा, जिससे औद्योगिक श्रृंखला के विविधिकरण में तेजी आएगी।श अभी भारत और अमेरिका 2026 के खत्म होने से बहुत पहले व्यापार समझौते को पूरा करने की दौड़ में लगे हैं। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 99 प्रतिशत मुद्दे बातचीत में सुलझा लिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच व्यापार का ढांचा लगभग तैयार है। लेकिन भारत–अमेरिका व्यापार बातचीत के आखिरी दौर में भी, अमेरिका ने सेक्शन 301 के तहत प्रतिबंध लगाने की बात कही। इसका मतलब था कि जांच के दायरे में आने वाले देशों (जिनमें भारत भी शामिल है) पर 12.5 प्रतिशत ड्यूटी लगाई जाएगी।

हमें हक नहीं किसी के विश्वास की हत्या करने का

पूनम भाटिया

रिश्ते केवल खून से नहीं बनते, विश्वास से बनते हैं। और जब विश्वास ही हत्या का हथियार बन जाए, तब केवल एक व्यक्ति नहीं मरता, इंसानियत भी घायल होती है। पिछले कुछ समय में देश ने ऐसे कई मामले देखे हैं जिन्होंने समाज को भीतर तक झकझोर दिया। हाल के सिया–केतन प्रकरण में जाँच एजेंसियाँ प्रेम, सगाई और कथित साजिश के पहलुओं की जाँच कर रही हैं। इससे पहले सोनम–राजा रघुवंशी हत्याकांड लंबे समय तक चर्चा में रहा। उससे पहले श्रद्धा वालकर हत्याकांड ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जिसमें लिव–इन पार्टनर पर हत्या और शव के टुकड़े करने का आरोप लगा। दिल्ली का चर्चित ष्नीला ड्रमष मामला भी लोगों के मन में आज तक भय पैदा करता है। इन सभी मामलों की परिस्थितियाँ अलग–अलग हैं और अंतिम न्यायिक निर्णय अपनी प्रक्रिया से होगा, लेकिन एक बात समान दिखाई देती है और वह है–भरोसे का टूटना। विश्वास की परिभाषा सरल है–किसी पर निर्भर होना और उसके साथ सुरक्षित भविष्य की उम्मीद रखना। लेकिन जब वही भरोसा धोखे में बदल जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं टूटताय उसके साथ परिवार, सामाजिक रिश्ते और मानवीय संवेदनाएँ भी आहत होती हैं। सिया–केतन जैसे मामलों में व्यक्तिगत संबंधों के साथ आर्थिक और भावनात्मक जटिलताएँ भी सामने आती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि किन चेतावनी संकेतों को अनदेखा किया गया और किसने किसके विश्वास का लाभ उठाया। यह केवल अपराध की कहानी नहीं, बल्कि उस भरोसे की हत्या है जिसके सहारे कोई अपना भविष्य किसी दूसरे के साथ जोड़ता है। जब जीवन का सबसे सुरक्षित रिश्ता ही सबसे बड़ा खतरा बन जाए, तो समाज को आत्ममंथन करना ही होगा। अधिकांश विश्वासघात निजी और पारिवारिक रिश्तों में होते हैं। प्रेम, सहजीवन और वैवाहिक संबंध सुरक्षा का आधार होने चाहिए, लेकिन जब इन्हीं का दुरुपयोग होता है तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं, स्वीकार है। विवाह का अर्थ बंधन नहीं, साझेदारी है। यदि किसी रिश्ते में प्रेम, सम्मान और विश्वास समाप्त हो जाए, तो अलग होने के लिए कानून, संवाद, परिवार और समाज, सभी रास्ते उपलब्ध हैं। किसी का जीवन छीन लेने का अधिकार किसी को नहीं हो सकता। आज सोशल मीडिया पर अपराधों की खबरें सनसनी बनकर फैलती हैं। कई बार लोग अपराधी की चालाकी या उसकी योजना पर ऐसे चर्चा करते हैं, मानो वह कोई रोमांचक कहानी हो। यह प्रवृत्ति भी चिंताजनक है। हर ऐसी खबर के पीछे किसी माँ का उजड़ा आँगन, किसी पिता का टूटा सहारा और किसी परिवार का आजीवन दर्द छिपा होता है। ऐसे अपराध केवल कानूनी रिकॉर्ड का हिस्सा नहीं बनते, बल्कि समाज में भय, संदेह और असुरक्षा भी बढ़ाते हैं। विश्वासघात केवल हत्या तक सीमित नहीं है। झूठ बोलना, भावनाओं से खेलना, आर्थिक शोषण करना, दोस्ती या प्रेम के नाम पर धोखा देना, ये उसी मानसिकता के अलग–अलग रूप हैं। जब छोटे छल को सामान्य मान लिया जाता है, तभी बड़े अपराधों की जमीन तैयार होती है। इस समस्या का समाधान केवल कठोर कानून नहीं हैं। सामाजिक जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की आसान पहुँच, रिश्तों में पारदर्शिता और घरेलू हिंसा के विरुद्ध प्रभावी सहायता तंत्र भी उतने ही आवश्यक हैं। शिक्षा–प्रणाली को बच्चों में ईमानदारी, संवेदनशीलता और संवाद का संस्कार विकसित करना होगा। मीडिया को भी जाँच प्रक्रिया और पीड़ितों की गरिमा का सम्मान करते हुए जिम्मेदारी से रिपोर्टिंग करनी चाहिए। हमें अपने बच्चों को केवल सफल होना नहीं, बल्कि विश्वसनीय होना भी सिखाना होगा। रिश्तों में ईमानदारी, असहमति में संवाद और अलगाव में गरिमा ही सभ्य समाज की पहचान है। रिश्ता टूटने का दर्द समय के साथ कम हो सकता है, लेकिन जब इंसान का इंसान पर से भरोसा टूट जाता है, तब उसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी हार यही है।

आठवां अजूबा रचते महामानव–विश्वगुरु

सर्वमित्रा

सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के

बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे। इतिहास दुनिया में हमेशा सात अजूबों की ही बात होती है। भारत तो इन अजूबों का सबसे बड़ा दावेदार है, क्योंकि हमारे पास ताजमहल है, जिसे अजूबा मानकर ही दुनिया भर के सैलानी देखने आते हैं और देखते रह जाते हैं। लेकिन मुगलों की बनाई इस नायाब कृति को पछाड़ने का काम नरेन्द्र मोदी करने जा रहे हैं। सात अजूबों के बाद अब वो आठवें अजूबे के प्रबल दावेदार हो गए हैं। इस गणित को समझना कठिन नहीं है। अगर नरेन्द्र मोदी से पूछेंगे तो वो बता देंगे कि आठ से उनका रिश्ता कितना पुराना है। इस रिश्ते को समझा कर वे अल्बर्ट आइंस्टीन को भी पीछे छोड़ देंगे, जिन्होंने कहा था कि चक्रवृद्धि ब्याज दुनिया का आठवां अजूबा है। जो इसे समझता है, वह कमाता हैय जो नहीं समझता, वह चुकाता है। अब भारत के लोग बेचारे कर्ज के बोझ में तो ऐसे दबे हुए हैं कि उनके लिए हर तरह का ब्याज चक्रवृद्धि की तरह ही है। जब तक उन्हें पता चलता है कि हमने इस महीने इतने रुपए कमाए हैं, तब तक उससे कहीं ज्यादा का खर्च मोदी सरकार उनके सामने खड़ा कर देती है। आइंस्टीन ने मोदी का शासन नहीं देखा था, वर्ना वो चक्रवृद्धि ब्याज को नहीं मोदी शासन के तौर तरीकों को आठवां अजूबा बता देते और शायद इस देश की जनता को नौवां अजूबा, जो सारे जुल्मो–सितम और तकलीफों के बावजूद इस आस में है कि अच्छे दिन आएंगे। अगर अच्छे दिन आने की तारीख में कहीं आठ का अंक आता, तो मोदी इसे ले भी आते। क्योंकि आठ अंक से उन्हें बड़ा लगाव है।मोदीजी के गणित के हिसाब से चलें तो उनका जन्मदिन 17 सितम्बर को आता है, एक और सात का जोड़ आठ होता है। ऐसे ही गणित से तो मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से अपना रिश्ता जोड़ा है। उन्होंने कहा कि मेरे मित्र का जन्मदिन 17 तारीख को आता है, हालांकि आठ का जोड़ बताने के लिए मोदी ने 26 तारीख का सहारा लिया। इंडोनेशिया में दिए अपने भाषण में नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने पिछले साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया था और 2 और 6 का जोड़ आठ होता है। मोदी समर्थक ऐसे ही उन्हें विश्वगुरु नहीं बताते हैं। 17 और 26 कितनी अलग संख्याएं हैं, एक विषम है एक सम है, दोनों में एक नजर में कोई समानता नहीं दिखती। अगर समानता दिखाने की चुनौती सामने रखी जाए तो गणितज्ञों को न जाने कितने तरह के फॉर्मूले लगाने पड़ेंगे और तब जाकर कोई मेल दोनों संख्याओं का किया जाएगा। लेकिन बड़ी से बड़ी मुश्किल को आसान करने का नाम ही तो मोदी है। बताइए कितने मजे लेकर कह दिया कि 2 और 6 का जोड़ आठ होता है, 1 और 7 का जोड़ भी आठ ही होता है। ये और बात है कि उन्हें इसके लिए 26 जनवरी याद आई वो भी पिछले साल की। आम भारतीय अब तक यही जानता है कि हमने केवल पिछले साल ही नहीं हर साल 26 जनवरी को ही गणतंत्र दिवस मनाया है।1950 से यही सिलसिला चल रहा है। अब अगले साल मना पाएंगे या नहीं, क्या मोदी ने इस बारे में कोई इशारा दिया है। बड़े, सयाने लोग ऐसा ही करते हैं, सीधे–सीधे चेतावनी न देकर इशारों में समझते हैं। इस तरह जनता की समझदारी की परीक्षा भी हो जाती है। जैसे जब नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मैं सत्ता में आऊंगा तो हरेक के खाते में 15–15 लाख डालूंगा, तो लोगों ने उनकी बात का यकीन कर लिया था। अब 15 लाख नहीं आए तो दोष मोदी पर डाल रहे हैं कि वादाखिलाफी की। लेकिन गौर से देखें तो इसमें जनता के गणित की कमजोरी निकली। 15 यानी एक और पांच का जोड़ छह होता है। अंग्रेजी में छह लिखें तो तुम्हारा छह मेरा नौ या मेरा छह तुम्हारा नौ हो सकता है। जिस संख्या में यही तय न हो कि वो असल में क्या है, उसे लेकर कही किसी भी बात पर यकीन ही नहीं करना चाहिए था। मोदी ने तो जनता के यकीन और समझदारी की परीक्षा ली, जिसमें जनता फेल हो गई। अब ये कोई नीट पेपर लीक का मामला तो है नहीं कि बार–बार उसे कराया जाए। इसलिए अब 15 लाख वाली बात को जुमला बोलकर अमित शाह ने ठंडे बस्ते में डालने का पुण्य काम किया है। मोदी अगर कहते कि मैं सबके खाते में 17–17 लाख डालूंगा, तब उनसे सवाल किए जाने थे।वैसे आठ से मोदी का रिश्ता केवल गणतंत्र दिवस और जन्मदिन तक सीमित नहीं है। वो अपने कार्यकाल की शुरुआत से इसे निभाते आ रहे हैं। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, यहां भी जोड़ आठ बैठा। इसमें आठ देशों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की थी, पाकिस्तान से प्रध ानमंत्री नवाज शरीफ, श्रीलंका से राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे, अफगानिस्तान से राष्ट्रपति हामिद करजई, नेपाल से प्रधानमंत्री सुशील कोइराला, भूटान से प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे, मालदीव से राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन, बांग्लादेश से संसद की स्पीकर शिरिन शर्मिन चौधरी और मॉरीशस से प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम मोदी के प्रधानमंत्री बनने के साक्षी बने। मोदी ने नोटबंदी का फैसला 8 नवंबर को ही लिया। जब राष्ट्र के नाम संबोधन करना हो तो मोदी रात आठ बजे का वक्त ही चुनते थे। पिछले कुछ बार से इसमें तब्दीली आई है वर्ना आठ से मोदी का रिश्ता तोड़ना कठिन था।सत्ता की सीढ़ियां चढ़ने में भी मोदी के लिए आठ की संख्या ने बड़ा योगदान दिया है। 26 जनवरी 2001 को भुज में विनाशकारी भूकंप आया था। जोड़ आठ का ही बनता है। उस समय केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री थे और इस त्रासदी के बाद राहत और पुनर्वास कार्यों को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई, फिर वो सत्ता से हटे और अक्टूबर 2001 में नरेंद्र मोदी को गुजरात का नया मुख्यमंत्री बनाया गया था। तब तक मोदी विध ायक तक नहीं बने थे, लेकिन सारे दिग्गज नेताओं को पछाड़ते हुए अटलबिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवानी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया। इसके बाद 24 फरवरी 2002 को हुए उपचुनाव में मोदी पहली बार विधायक बने। इस संख्या के जोड़ में अतिरिक्त दो आ गया है, लेकिन ये वैसा ही है जैसे मोदी ने एक्स्ट्रा 2 एबी का फार्मूला कनाडा में बताया था।

विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे आज के विद्यार्थी - कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा गोद लिए गए ग्रामों के विद्यालयों के छात्र–छात्राओं हेतु दीक्षांत समारोहदृ 2026 से जुड़े कार्यक्रमों के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित एकलव्य स्टेडियम एवं राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में किया गया। यह आयोजन राजभवन सचिवालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश के क्रम में किया गया । कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी अत्यंत प्रतिभाशाली हैं और आने वाले समय में विकसित भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, उद्यमी और राष्ट्रनिर्माता बनेंगे। कुलपति ने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान करते हुए कहा कि जो भी विषय पढ़ें, उसे केवल परीक्षा के लिए नहीं बल्कि गहराई से समझने का प्रयास करें। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ–साथ संतुलित आहार भी अत्यंत आवश्यक है। घर में जो भोजन बने, उसे अवश्य खाएं और अनावश्यक जंक फूड से बचें। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन से ही बेहतर अध्ययन और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्रामों के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं इंटरमीडिएट विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में पारंपरिक खेल, 100 मीटर दौड़, पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर गीत–गायन एवं अभिनय, देशभक्ति गीत एवं पारंपरिक लोकनृत्य, तथा ष्मेरी माँ ष विषय पर भाषण, निबंध, काव्य–पाठ एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कक्षा 03 से 08 तथा कक्षा 09 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए पृथक समूहों में भाषण, चित्रकलाध्पेंटिंग एवं कहानी कथन (स्टोरी टेलिंग) प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कक्षा 09 से 12 के विद्यार्थियों ने अपने–अपने गांवों में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्वच्छता जैसे विषयों पर किए गए उत्कृष्ट कार्यों को प्रभावी ढंग से अपने भाषणों में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिन्हें आगामी दीक्षांत समारोह में माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा सम्मानित किया जाएगा। विजयी चित्रों का प्रदर्शन भी दीक्षांत समारोह में किया जाएगा तथा उनका संकलन पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 शशिकांत यादव ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ–साथ विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन पूर्व समन्वयक रासेयो डॉ0 राज बहादुर यादव ने किया. इस अवसर पर गॉव गोद लिए विद्यालयों के शिक्षक राम लगन, उमा सिंह, हिना औन रिजवी, मिथिलेश शर्मा, चंद्र प्रकाश, जितेंद्र कुमार यादव, अवधेश कुमार वर्मा, स्वतंत्र कुमार पटेल, संतोष कुमार एवं डॉ0 आशीष सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दूल्हा हत्याकांड एक लाख का इनामी आरोपी प्रदीप बिंद ने पुलिस को चकमा देकर न्यायालय में किया आत्मसमर्पण, खुद को बताया निर्दोष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में चर्चित दूल्हा हत्याकांड में नामजद एक लाख रुपये के इनामी आरोपी प्रदीप बिंद ने पुलिस की गिरफ्त से पहले शुक्रवार को नाटकीय ढंग से दीवानी न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। कोर्ट में सरेंडर की सूचना मिलते ही मृतक दूल्हे आजाद बिंद के परिजनों में मायूसी छा गई। उनका कहना है कि वे चाहते थे कि आरोपी को पुलिस गिरफ्तार करे और कानून के दायरे में उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। विदित हो कि 1 मई 2026 को खेतासराय थाना क्षेत्र के मानेछा गांव के पास बारात लेकर जा रहे दूल्हे आजाद बिंद की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

इस सनसनीखेज वारदात से पूरे जिले में हड़कंप मच गया था और शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गई थीं। घटना के बाद पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लेकिन मुख्य आरोपी प्रदीप बिंद फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था और लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। इसके बावजूद वह पुलिस की पकड़ से दूर रहा। आखिरकार प्रदीप बिंद ने पुलिस के हाथ लगने से पहले ही न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं, न्यायालय परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान प्रदीप बिंद ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया। उसने कहा, ष्मैं पूरी तरह निर्दोष हूं। मुझे साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। आज तक न मैंने आजाद बिंद को देखा है और न ही उनके परिवार के किसी सदस्य को जानता हूं।ष्अगर वो लड़की कही भी ये मैसेज दिखा दे तो इस घटना की जिम्मेदारी ले लूंगा उनको हम जानते ही नहीं।हत्या किसने किया ये जिला प्रशासन और पुलिस पता लगाए। मामले की सुनवाई न्यायालय में विचाराधीन है। दूसरी ओर, पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और वे सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर पथराव, नायब तहसीलदार घायलय बुलडोजर का शीशा तोड़ा, 5 नामजद समेत 200 पर तहरीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित केराकत कोतवाली अंतर्गत नगर क्षेत्र में गुरुवार को अतिक्रमण हटाने पहुंची प्रशासनिक टीम पर उस समय हमला हो गया, जब अभियान के दौरान कुछ लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। घटना में पेसारा के नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव घायल हो गए, जबकि बुलडोजर का शीशा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। मामले में पांच नामजद और करीब 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी गई है। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव के नेतृत्व में शिव सब्जी पुरानी मंडी से शुरू हुआ अभियान सरायबीरू चौराहा, कोतवाली चौराहा, तहसील रोड और पुराना चौराहा बाजार तक चला। इस दौरान सड़क किनारे लगे ठेले–खोमचे, अवैध टीन शेड, बैनर और सार्वजनिक भूमि पर किए गए अतिक्रमण को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। अचानक शुरू हुई कार्रवाई से बाजार में हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों ने स्वयं ही अपना सामान हटाना शुरू कर दिया, जबकि नगर पंचायत की टीम ने अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई जारी रखी। इसी दौरान कुछ व्यापारियों ने कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और स्थिति पथराव में बदल गई। पथराव में नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव के सिर में चोट लग गई। उपद्रवियों ने बुलडोजर का शीशा भी तोड़ दिया और चालक के साथ मारपीट का प्रयास किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी सना सगीर और नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव ने सरकारी कार्य में बाधा डालने, पथराव और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पांच नामजद तथा करीब 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। नगर पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान अधिशासी अधिकारी सना सगीर, उपनिरीक्षक मोहम्मद सलीम, नगर पंचायत के कर्मचारी और पुलिस बल मौजूद रहा।इस संबंध में क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार ने बताया कि घटना को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है आरोपियों की पहचान किया जा रहा है जल्द ही आरोपितों को पकड़ा जाएगा। सीसीटीवी कैमरे से उनकी पहचान की जा रही है अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मड़ियाहूं थाने का उपनिरीक्षक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बड़ी कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मड़ियाहूं थाने में तैनात एक उपनिरीक्षक को गुरुवार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किए जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) की वाराणसी इकाई ने कार्रवाई करते हुए आरोपी उपनिरीक्षक को कार्यालय के पास रिश्वत लेते समय धर दबोचा। गिरफ्तार उपनिरीक्षक की पहचान रामाश्रय प्रजापति के रूप में हुई है। आरोप है कि उन्होंने एक मुकदमे में नाम बढ़ाने के एवज में

शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी उपनिरीक्षक को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। वहीं, भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

जलभराव से निपटने को नगर निगम अलर्ट, 24 घंटे चलेगा कंट्रोल रूम का महापौर व नगर आयुक्त ने किया शुभारंभ

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से नगरवासियों को त्वरित राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने विशेष कंट्रोल रूम की स्थापना की है। शुक्रवार को महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया।महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता बरसात के दौरान शहर को जलभराव मुक्त रखना है।इसके लिए सभी जोन में टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।कहीं भी जलभराव की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई कर जलनिकासी

की व्यवस्था कराई जाएगी, जिससे आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर आयुक्त ने बताया कि कंट्रोल रूम को 24 घंटे संचालित करने के लिए तीन शिफ्टों में दो–दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।नगरवासी 1533 तथा 1800–313–1277 पर फोन कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि शिकायत मिलते ही संबंधित जोन की टीम को मौके पर भेजकर निर्धारित समय के भीतर समस्या का समाधान कराया जाएगा।इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भाजपा के वरिष्ठ पार्षद बृजेंद्र सिंह, चंदन सिंह, धर्मेंद्र मिश्र, सूर्यकुमार तिवारी सूर्या, सुनील यादव, जगत नारायण यादव, सहायक अभियंता (निर्माण) राजपति यादव सहित नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता साक्षरता शिविर का मछलीशहर विकासखंड में हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जनपद न्यायाधीशश्अध यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि के निर्देशन तथा सचिव पूर्ण कालिक सुशील कुमार सिंह की देख–रेख में ''विकास खण्ड मछलीशहर, जौनपुर'' में एक विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिविल जज सी0डि0ध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला औरे अधिक से अधिक संख्या में मुकदमों को समझौते और राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करने पर बल दिया। इसके अतिरिक्त लोगों से अनुशासन का महत्व के बारें में जानकारी प्रदान की गयी और उन्हे अधिकारों का दुरुपयोग न करने के बारे में भी सावधान किया गया। इस दौरान बताया गया कि जनपद में कोई भी पीड़ित व्यक्ति कभी भी प्राधिकरण में सहायता के लिए आ सकते है। उन्होंने 18 जुलाई को धारा 138 एन आई एक्ट के राष्ट्रीय लोक अदालत एवं 22, 23, 24 अगस्त को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी देते हुए अधिक से अधिक मामलों को आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने पर बल दिया। डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉ दिलीप कुमार सिंह के द्वारा जेल में निरुद्ध कैदियों के अधिकारों के बारे में बच्ची देवी बनाम स्टेट तथा सतेंद्र आंटील के द्वारा दिए गए माननीय सर्वोच्च न्यायालय के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यदि कोई बंदी जेल में है और उसकी जमानत हो गई है और वह जमानत देने में सक्षम नहीं है उसकी सामाजिक आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो वह व्यक्तिगत बंध पत्र पर आवेदन पत्र देने पर संबंधित न्यायालय द्वारा 30 दिन के लिए छोड़ दिया जाएगा और उसे कालखंड में वह अपने जमानतदार दाखिल कर देगा राष्ट्रीय लोक अदालत और सुबह समझौता केंद्र पैरा लीगल वालंटियर फ्रंट लीगल ऑफिस सुबह समझौता प्री लिटिगेशन केंद्र के बारे में भी विस्तार से बताया। काउंसलर देवेंद्र कुमार यादव ने पारिवारिक मामलों प्राधिकरण के अंगों के बारे में बताते हुए न्याय विभाग द्वारा संचालित टेलीलॉ के बारे में विस्तार से वर्णन किया और 15100 नंबर के महत्व को समझाया और कहा कि अधिक से अधिक मुकदमे आपस में समझौते से निपटाया जाए श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने उपस्थित लोगों को श्रम कानून के बारे में बताते हुए उसे अधिक से अधिक लाभ लेने की बात कही गई। आभार महाजन अली के द्वारा दिया गया। इसमें सचिव पूर्ण कालिक सुशील कुमार सिंह डा दिलीप कुमार सिंह, डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल देवेंद्र कुमार यादव, काउंसलर श्रम प्रवर्तन अधिकारी दीपक गौतम, ग्राम प्रधान महाजन अली, एक्शन एनजीओ उप निरीक्षक थाना मछलीशहर मोहम्मद अहमद खान और बड़ी संख्या में महिलाएं तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बीएसए ने सौंपा दो बीईओ को अतिरिक्त प्रभार

अयोध्या।बीकापुर और मया में खंड शिक्षा अधिकारियों के प्रमोशन से खाली पदों पर बीएसए लाल चंद्र ने दो खंड शिक्षा अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार दिया है।इस संबंध मे बीएसए लाल चंद्र ने बताया कि तारुन ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत कुमार को बीकापुर और पूरा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी रयाजुद्दीन को मया का प्रभार सौपा गया है।

'मनोज कुमार पांडेय के आरोप निराधार, बैंक की सभी ऋण प्रक्रियाएं नियमों के अनुरूप – शाखा प्रबंधक'

लखनऊ। हाल ही में एक गैर–मान्यता प्राप्त रेलवे यूनियन के महामंत्री मनोज कुमार पांडेय द्वारा नॉर्दर्न रेलवे मल्टी स्टेट प्राइमरी को–ऑपरेटिव बैंक की कार्यप्रणाली और ऋण प्रक्रिया को लेकर विभिन्न आरोप लगाए गए हैं। बैंक प्रबंधन ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक और तथ्यों से परे बताते हुए उनका खंडन किया है। श्री मनोज कुमार पांडेय एक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी हैं, जो वर्तमान में एक गैर–मान्यता प्राप्त रेलवे यूनियन के महामंत्री हैं। जबकि यूनियन के गठन के समय यह कहा गया था कि किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी को पद नहीं दिया जाएगा। उन पर पूर्व में पुत्रघ्के साथ मिलकर रेलवे सहित अन्य विभागों में भर्ती के नाम पर लाखों की ठगी के आरोप लग चुके हैं, जिनसे संबंधित समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाता रहा है, उनकी प्रतियां संलग्न हैं। वर्तमान में भी उन पर श्री शिवेन्द्र प्रताप सिंह एवं श्री दीपक कुमार के साथ मिलकर रेलवे को–ऑपरेटिव बैंक से ऋण दिलाने के नाम पर कथित रूप से लाखों रुपये की अवैध वसूली करने के आरोप हैं। इसके अतिरिक्त, यह भी आरोप है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वे प्रयागराज स्थित 549–एच, घनश्याम नगर रेलवे कॉलोनी के रेलवे आवास का पर कब्जा किए हुए हैं। नॉर्दर्न रेलवे मल्टी स्टेट प्राइमरी को–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, प्रयागराज शाखा के शाखा प्रबंधक छोटे लाल वर्मा ने जारी बयान में कहा कि बैंक द्वारा रेलवे कर्मचारियों को ऋण प्रदान करने की पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों और प्रचलित प्रावधानों के अनुसार संचालित की जाती है। कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर नियमों से समझौता नहीं किया जाता। उन्होंने बताया कि बैंक द्वारा रेलवे कर्मचारियों को ऋण स्वीकृत करते समय डिमांड राशि का 2 प्रतिशत ईएसएफ खाते में जमा किया जाता है। यदि किसी कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु हो जाती है तो उसी ईएसएफ खाते में उपलब्ध राशि से उसके ऋण की बकाया धनराशि का भुगतान किया जाता है, ताकि उसके परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। शाखा प्रबंधक छोटे लाल वर्मा ने कहा, ष्बैंक की सभी ऋण प्रक्रियाएं पूर्ण पारदर्शिता और निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित होती हैं। कर्मचारियों के हितों की रक्षा हमारी प्राथमिकता है। बैंक के संबंध में लगाए गए भ्रामक आरोपों में कोई तथ्य नहीं है। हम सभी कर्मचारियों और आमजन से अपील करते हैं कि वे अपुष्ट एवं भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें।ष

आठ हजार पेड़ों को कटाने के बजाय प्रत्यारोपण करेगा एलडीए

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए मोहान रोड पर विकसित की जा रही अनंत नगर योजना में करीब आठ हजार पेड़ सड़क निर्माण के बीच में आ रहे हैं। इन्हें काटने के बजाय एलडीए प्रत्यारोपित करेगा। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बुधवार को योजना का निरीक्षण कर इस संबंध में निर्देश दिए हैं। इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को प्रत्यारोपण किए जाने का यह प्रदेश का सबसे बड़ा अभियान होगा। एलडीए के मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि इस कार्य के लिए विशेषज्ञ संस्था जल्द ही पेड़ों का सर्वे करेगी। योजना में प्रस्तावित 45, 24 और 12 मीटर चौड़ी सड़कों के एलाइनमेंट में लगभग 8,000 पेड़ आ रहे हैं। प्रथम चरण में 2098 पेड़ों को हटाना अनिवार्य है। उपाध्यक्ष ने इन पेड़ों को योजना में विकसित किए जाने वाले पार्कों और ग्रीन बेल्ट में प्रत्यारोपित करने के निर्देश दिए हैं। एलडीए वीसी ने योजना में किए जा रहे निर्माण कार्यों का भी मुआयना किया। पाया कि सेक्टर–1, पॉकेट–ई में 9, 12, 18 और 24 मीटर चौड़ी सड़कों का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है जबकि कार्यदायी संस्था मेसर्स डीपी इंफ्रास्ट्रक्चर को कार्यादेश जारी किया जा चुका है। इस पर उपाध्यक्ष ने संस्था पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाने के आदेश दिए हैं। इसी तरह सेक्टर–1 और 4 में 45 मीटर चौड़ी सड़क, ट्रेंच, सीवरेज और ड्रेन निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर कार्यदायी संस्था मेसर्स राजलक्ष्मी इंटरप्राइजेज पर 7.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। निरीक्षण के दौरान एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के सभी सेक्टरों में निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए। बरसात के मद्देनजर मिट्टी भराई और लेवलिंग आदि के कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जाएं।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटो जी77 पॉवर

नई दिल्ली। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक, मोटोरोला ने आज नए मोटो जी77 पॉवर के लॉन्च की घोषणा की है, जो इस सेगमेंट का सबसे बेहतरीन कैमरा स्मार्टफोन है। उन उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किया गया है जो अपने रोजमर्रा के स्मार्टफोन से अधिक की उम्मीद करते हैं, मोटो जी77 पॉवर एक प्रीमियम डिजाइन में प्रोफेशनल–ग्रेड सोनी लिटिया 600 कैमरा सिस्टम, एक इमर्सिव 120 हर्ट्ज एचडी प्लस डिस्प्ले, एक विशाल मल्टी–डे बैटरी और मिलिट्री–ग्रेड ड्यूरेबिलिटी को एक साथ लाता है। चाहे जीवन के अनमोल पलों को कैद करना हो, काम को गति देना हो, मल्टी–टास्किंग करना हो, या मनोरंजन का आनंद लेना हो, मोटो जी77 पॉवर एक स्मार्ट अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया है। मोटो जी77 पॉवर के केंद्र में इस सेगमेंट का अग्रणी प्रो–ग्रेड 50,मपी सोनी लिटिया 600 कैमरा सिस्टम है, जिसे उपयोगकर्ताओं को लगभग हर रोशनी की स्थिति में अधिक ब्राइट, शार्प और जीवंत तस्वीरें लेने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। क्वाड पिक्सेल तकनीक द्वारा संचालित, यह बेहतरीन डिटेल और शानदार लो–लाइट परफॉर्मेंस देता है, जबकि एडवांस 2–इन–1 लाइट सेंसर तुरंत एम्बिएंट लाइट को मापता है ताकि तेज और अधिक सटीक फोकस मिल सके। मुख्य कैमरे के साथ ही इसमें एक 8,मपी का अल्ट्रा–वाइड लेंस दिया गया है जो उपयोगकर्ताओं को हर फ्रेम में अधिक चीजें समाहित करने की अनुमति देता हैकृयह लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और बड़े दृश्यों के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। चाहे रोजमर्रा के पल हों या विशेष यादें, मोटो जी77 पॉवर यह सुनिश्चित करता है कि आपका हर शॉट सबसे बेहतरीन दिखे। कैमरा अनुभव को पोर्ट्रेट मोड, फ्रेम मैच, ऑटो स्माइल कैप्चर और सुपर जूम जैसे एडवांस एआई–संचालित इमेजिंग फीचर्स के साथ और भी बेहतर बनाया गया है, जिससे शानदार और प्रोफेशनल दिखने वाली तस्वीरें लेना पहले से कहीं अधिक आसान हो जाता है। फ्रंट में, इस सेगमेंट का सबसे हाई 32,एमपी का सेल्फी कैमरा इंटेलिजेंट एआई ऑप्टिमाइजेशन के साथ शार्प और जीवंत सेल्फी देता है, और लैंडस्केप ओरिएंटेशन में यह अपने आप ग्रुप मोड पर स्विच हो जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कोई फ्रेम में पूरी तरह फिट आ सके। बेहतरीन पलों को कैमरे में कैद करने के अलावा, यूजर्स गूगल फोटोज के एआई–संचालित एडिटिंग टूल्स की मदद से उन्हें आसानी से और बेहतर बना सकते हैं, जिसमें एडिट फोटोज बाय आस्किंग, मैजिक इरेजर, फोटो अनब्लर, रीइमेजिन और ऑटो फ्रेम शामिल हैं, जो उन्हें सिर्फ कुछ टैप के साथ अपनी तस्वीरों को एडिट, रिस्टोर और ट्रांसफॉर्म करने की सुविधा देते हैं। कैमरा अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए मोटो जी77 पॉवर में 6.72–इंच का इमर्सिव फुल एचडीध् डिस्प्ले दिया गया है, जो 120 हर्ट्ज के स्मूथ रिफ्रेश रेट के साथ आता है। यह फिल्मों, गेम्स और रोजमर्रा के कंटेंट को शार्प विजुअल्स, वाइब्रेंट कलर्स और फ्लूइड स्क्रॉलिंग के साथ जीवंत बना देता है। 1050 निट्स तक के हाई ब्राइटनेस मोड और डिस्प्ले कलर बूस्ट टेक्नोलॉजी के साथ, यूजर्स तेज धूप में भी बेहतरीन विजिबिलिटी और रिच कलर्स का आनंद ले सकते हैं। इस अनुभव को स्मार्ट वॉटर टच टेक्नोलॉजी से और भी बेहतर बनाया गया है, जो गीले हाथों से भी स्मूथ और रिस्पॉन्सिव टच सुनिश्चित करने के लिए टच सेंसिटिविटी को समझदारी से एडजस्ट करती है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में 3-डी प्रिंटर का प्रदर्शन रहा आकर्षण का केंद्र

अयोध्या।विकासखण्ड सोहावल कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विधायक बीकापुर डॉ अमित सिंह चौहान के पिता स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान,पूर्व मंत्री, की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी में माध्यमिक शिक्षा के स्टॉल पर राजकीय इण्टर कॉलेज अयोध्या के छात्रों नितिन वर्मा,सूरज मिश्रा , कुनाल यादव और अभिनव पाण्डेय ने अटल टिंकरिंग लैब के अंतर्गत बनाए गए विभिन्न मॉडलों का प्रदर्शन किया।इस अवसर पर 3–डी प्रिंटर का प्रदर्शन करते हुए जीआईसी अयोध्या के इन छात्रों ने भगवान शिवजी एवं विघ्नहर्ता भगवान गणेश जी की प्रतिमा एक विशेष सामग्री पीएलए द्वारा बनाकर सभी का ध्यान आकर्षित किया।वरिष्ठ विज्ञान शिक्षक राजेश कुमार शुक्ल ने स्टाल पर पहुंचे जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी को नीति आयोग के सौजन्य से जीआईसी अयोध्या में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब के उद्देश्य और 3–डी प्रिंटर की कार्यप्रणाली के बारे विशेष जानकारी दी जबकि सीडीओ अयोध्या कृष्ण कुमार सिंह एवं अन्य अधिकारियों को अटल टिंकरिंग लैब के प्रभारी विज्ञान शिक्षक के पी सिंह ने बताया कि भविष्य में छात्रों को कोडिंग और रोबोटिक्स आदि की शिक्षा भी एटीएल में प्रदान की जायेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्र इन आधुनिक संसाधनों का प्रयोग निरन्तर करें।इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी, प्रधानाचार्य ओंकारनाथ,बीएसए लाल चन्द्र,प्रधानाचार्य बसंत कुमार,वरिष्ठ सहायक प्रदीप कुमार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 432 करोड़ योजनाओं को दी बीकापुर विधानसभा क्षेत्र को सौगात

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का सोहावल ब्लॉक मुख्यालय पर हुआ आगमन हुआ।इस अवसर पर बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने पूर्व विधायक श्रीमती शोभा सिंह चौहान के साथ मुख्यमंत्री श्री योगी का स्वागत किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान के पिता पूर्व सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्व मुन्ना सिंह चौहान की प्रतिमा का अनावरण किया।इस अवसर पर जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बटन दबा करके विकास योजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण किया।इस अवसर पर बीकापुर विधायक डॉ अमित सिंह चौहान ने बीकापुर विधानसभा क्षेत्र की सभी जनता की तरफ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का स्वागत किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने खिरौनी सोहावल नगर पंचायत का नाम अब मां ज्वाला देवी के नाम से होगा और भरत कुंड भदरसा नगर पंचायत का नाम अब भरत नगर भरत कुंड होगा।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री योगी ने बीकापुर विधानसभा को 432 करोड़ की 217 विकास परियोजनाओं की सौगात दिया । सोहावल विकासखंड परिसर में स्थापित स्व मुन्ना सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते हुए लाभार्थियों को प्रमाण पत्र और आवास की चाभी सौंपी ।

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले मे नोट गिनने से पहले ही साफ हो जाती थी रकम,पूर्व मैनेजर समेत कई बड़े नाम रडार पर

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है जिसने राम मंदिर ट्रस्ट से लेकर आम श्रद्धालुओं तक को झकझोर कर रख दिया है।राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी मामले में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।पुलिस जांच और सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दानपात्र से निकलने वाले करोड़ों के चढ़ावे में यह हेरफेर नोटों की गिनती के समय नहीं, बल्कि उससे ठीक पहले की जाती थी।इस हाई–प्रोफाइल मामले की जांच जैसे–जैसे आगे बढ़ रही है, इसमें कई सफेदपोश और बड़े चेहरों की संलिप्तता सामने आ रही है।मशीन में जाने से पहले ही लग जाती थी 'चपत',सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, राम मंदिर में आने वाले चंदे के नोटों की गिनती अत्याधुनिक मशीनों के जरिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों द्वारा की जाती थी।पकड़े गए आरोपियों का मुख्य काम चढ़ावे में आए मुड़े–तुड़े नोटों को सीधा करना और उन्हें सलीके से गड्डियों में जमाना था।इसके बाद ही एसबीआई के कर्मचारी उन नोटों को काउंटिंग मशीन में रखते थे, जहां 10, 20, 50, 100, 200 और 500 रुपये के नोट अलग–अलग होकर गिनते थे।शातिर आरोपियों ने इसी प्रक्रिया का फायदा उठाया।जब वे नोटों को सीधा कर सलीके से लगा रहे होते थे,उसी वक्त बड़ी चालाकी से नोटों की गड्डियों से रकम पार कर दी जाती थी।यानी बैंक की मशीन में चढ़ने से पहले ही चढ़ावे पर हाथ साफ कर दिया जाता था।देखा जाये तो एसआईटी आगे एसबीआई के पूर्व मैनेजर गोविंद मिश्र और अनिल मिश्रा पर भी शिकंजा कस सकता है।इस पूरे खेल में अब खाकी का शिकंजा बैंक के बड़े अधिकारियों पर भी कसता नजर आ रहा है। एसबीआई के पूर्व मैनेजर गोविंद मिश्र, जो वर्तमान में लखनऊ में तैनात हैं, इस समय अयोध्या पुलिस की रडार पर हैं। इसके साथ ही, ट्रस्ट की ओर से बैंक के साथ एमओयू साइन करने वाले अनिल मिश्रा से भी इसी हफ्ते पूछताछ की तैयारी है।पुलिस जल्द ही इस मामले में एसबीआई के उन कर्मचारियों के बयान दर्ज करेगी जो नोटों की गिनती के दौरान वहां मौजूद थे।जांच में यह बात भी साफ हुई है कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी सीधे तौर पर न तो राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी थे और न ही एसबीआई के।इन्हें बैंक द्वारा हायर की गई एक प्राइवेट थर्ड पार्टी आउटसोर्सिंग कंपनी के जरिए हाउसकीपिंग और नोटों को व्यवस्थित करने के काम पर रखा गया था। यहां तक कि काउंटिंग के दौरान निगरानी रखने वाला मुख्य आरोपी सुभाष श्रीवास्तव भी एक पूर्व बैंकर था, जिसे प्राइवेट कंपनी के जरिए ही आउटसोर्स किया गया था।इस प्राइवेट कंपनी ने ही इन कर्मचारियों का इंटरव्यू, भर्ती और ड्रेस कोड तय किया था, जो अब खुद जांच के दायरे में है।अभी तक एसआईटी की कार्रवाई में आठ आरोपी गिरफ्तार हुए है।वही चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर हो गया है।पुलिस और तीन सदस्यीय विशेष जांच दल ने इस मामले में दर्ज एफआईआर के बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को सलाखों के पीछे भेज दिया है।गिरफ्तार आरोपियों में राम शंकर यादव (उर्फ टीनू यादव), मनीष यादव, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडे, सुभाष श्रीवास्तव, अविनाश शुक्ला और राम शंकर मिश्रा शामिल हैं। इस बड़े घोटाले की आंच के बाद राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा भी स्वीकार कर लिया गया है।पुलिस रिमांड में चोरी के पैसों से खरीदी कार, पत्नी को दिया सोने का लॉकेट, फिलहाल पुलिस रिमांड पर चल रहे तीन मुख्य आरोपियोंकुलवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय से पूछताछ में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं।आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कई ठिकानों पर छापेमारी की है। आरोपी अनुकल्प के पास से पुलिस ने 20 हजार रुपये नकद, एक सोने की चेन, मोबाइल और उसके पिता के नाम पर खरीदी गई एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद कर जब्त की है।वहीं, आरोपी लवकुश ने चोरी की रकम से अपनी पत्नी को सोने का लॉकेट गिफ्ट किया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है, साथ ही उसके पास से 38 हजार रुपये कैश भी मिला है।तीसरे आरोपी करुणेश के पास से 15 हजार रुपये नकद बरामद हुए हैं।पुलिस का कहना है कि पूछताछ में कई और अहम सुराग हाथ लगे हैं,जिसके आधार पर जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के मलेथू खुर्द निवासी कुशल सिंह तरंग का भारतीय अंडर–18 राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम में चयन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद अयोध्या के विकासखंड हैरिंग्टनगंज अंतर्गत ग्राम मलेथू खुर्द निवासी कुशल सिंह उर्फ शतरंगश (पुत्र शंभूनाथ सिंह) का भारतीय अंडर–18 राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम में चयन हुआ है।वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चीन रवाना हो गए हैं।कुशल की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से अयोध्या, मिल्कीपुर और हैरिंग्टनगंज क्षेत्र में खुशी की लहर है। ग्रामीणों, खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए शानदार प्रदर्शन की कामना की है।

रेल मंत्री से मिले पूर्व सांसद लल्लू सिंह, सौंपे रेल विकास से जुड़े 10 प्रस्ताव

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों से जुड़ी रेलवे परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत मांगपत्र सौंपे।उन्होंने बढ़ती यात्री संख्या और रामनगरी में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन को देखते हुए रेलवे अवसंरचना के विस्तार एवं यात्री व स्थानीय निवासियों की सुविधाओं में वृद्धि की आवश्यकता बताते हुए विभिन्न परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया।लल्लू सिंह ने अयोध्या कैंट–वाराणसी रेलखंड के सरायरासी क्षेत्र में रोड ओवर ब्रिज अथवा रोड अंडर ब्रिज के निर्माण की भी मांग की। उनका कहना है कि रेलवे मार्ग बंद होने से किसानों एवं आसपास के ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।उन्होंने अयोध्या कैंट–वाराणसी रेलखंड पर बिल्हरघाट–अलनाभारी मध्य दुर्गापुर रमपुरवा गांव के समीप तथा अलनाभारी –बिल्हरघाट स्टेशन के बीच 940/1 से 940/4 के मध्य, दो स्थानों पर रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) निर्माण की मांग की। इसके अलावा अयोध्या कैंट–प्रयागराज रेलखंड पर नैपुरा तथा 18 सी मोहम्मदपुर– 16 सी भगौतीनगर के मध्य मरूईसहाय सिंह के निकट क्षेत्र में भी दो स्थानों पर आरयूबी निर्माण कराने का आग्रह किया।पूर्व सांसद ने रेल मंत्री को सौंपे पत्रों में अयोध्या कैंट–प्रयागराज तथा अयोध्या धाम–मनकापुर रेलखंड के दोहरीकरण की मांग करते हुए कहा कि वर्तमान में दोनों रेलखंड सिंगल लाइन होने के कारण ट्रेनों के संचालन में कठिनाई होती है। उन्होंने दोनों रेलखंडों को डबल लाइन किए जाने का अनुरोध किया।पूर्व सांसद ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए तैयार डीपीआर को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर कार्य शुरू कराने का अनुरोध भी किया। साथ ही अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के द्वितीय चरण के निर्माण कार्य में भूमि संबंधी बाधाओं को दूर कर कार्य प्रारंभ कराने की मांग उठाई।पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अयोध्या क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम और आवागमन की समस्या को देखते हुए कई स्थानों पर रेल उपरिगामी पुल (आरओबी) निर्माण का प्रस्ताव रेल मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने अयोध्यादृवाराणसी रेलखंड की रेलवे क्रॉसिंग संख्या–100 तथा अयोध्या कैंटलखनऊ रेलखंड की रेलवे क्रॉसिंग संख्या–122, 130, 138 और 162 पर आरओबी निर्माण कराने की मांग की।लल्लू सिंह ने बाराबंकी–अयोध्या–वाराणसी रेलखंड के तिहरीकरण (तीसरी रेल लाइन) और लखनऊ–अयोध्या–वाराणसी रेलखंड पर ट्रेनों की अधिकतम गति 130 किलोमीटर प्रति घंटा किए जाने की मांग भी रेल मंत्री के समक्ष रखी। उनका कहना है कि इससे ट्रेनों की संचालन क्षमता बढ़ेगी, यात्रा समय कम होगा और अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा मिल सकेगी।पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने रेल मंत्री से अयोध्या कैंट से जयनगर, नई दिल्ली, माता वैष्णो देवी (कटरा), उज्जैनइंदौर, द्वारका, जगन्नाथपुरी, हरिद्वार और गुवाहाटी तक नई सुपरफास्ट ट्रेनों का संचालन शुरू करने का अनुरोध किया।इसके अलावा अयोध्या धाम से चित्रकूट तक नई ट्रेन चलाने की भी मांग की।उनका कहना है कि रामनगरी में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए इन रेल सेवाओं की आवश्यकता है।लल्लू सिंह ने कहा कि अयोध्या में श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे नेटवर्क का विस्तार और नई परियोजनाओं का शीघ्र क्रियान्वयन आवश्यक है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के लाखों लोगों के आवागमन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

'इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संचारी रोगों की रोकथाम हेतु चलाएगी जनजागरूकता अभियान

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी कार्यालय में संचारी रोगों की रोकथाम एवं जन–जागरूकता विषय पर स्वास्थ्य विभाग का सहयोग लिए जाने के सम्बन्ध में आयुष चिकित्सकों के साथ विचार गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेहरामऊ के चिकित्सक डॉ उस्मान अली खान ने की। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ विजय जौहरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश रेडक्रॉस सोसाइटी के सभापति एवं 'उपमुख्यमंत्री' के निर्देशन में प्रदेश भर में संचारी रोगों की रोकथाम एवं जन–जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। जनपद स्तर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के जिला शाखा अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में इस अभियान का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि जिला शाखा, प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों के अनुरूप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर संचारी रोगों की रोकथाम, स्वच्छता जागरूकता तथा जनस्वास्थ्य संबंधी अभियानों में सक्रिय एवं सहयोगी भूमिका निभाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से रेडक्रॉस के स्वयंसेवकों को अभियान से जोड़कर गांवों एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जन–जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएं, ताकि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेहरामऊ के चिकित्सक डॉ उस्मान अली खान ने कहा कि वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस तथा अन्य संचारी रोगों की रोकथाम के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जुलाई माह में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि अपने घरों एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कहीं भी जलभराव न होने दें, मच्छरों से बचाव के सभी उपाय अपनाएँ तथा बुखार, दस्त या अन्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकीय परामर्श लें। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही यह अभियान सफल हो सकता है। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य डॉ मुजीब उल्ला खान ने रेडक्रॉस सोसाइटी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संचारी रोग बैक्टीरिया, वायरस, फफूंद एवं परजीवियों के कारण फैलते हैं। इनसे बचाव के लिए व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, हाथों की नियमित सफाई, मच्छरों से बचाव, समय पर टीकाकरण तथा रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक है। अंत में डॉ विजय जौहरी ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन तथा जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जनहित में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता अपनाएं, अफवाहों से बचें और किसी भी संक्रामक रोग के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। बैठक में डॉ विजय जौहरी , डॉ उस्मान अली खान , डॉ मुजीब उल्ला खान ,डॉ मसरूर ,मुरारी दीक्षित , नवजोत सिंह एवं ऊँ दिव्यांगजन कल्याण समिति के बालकृष्ण पाण्डेय, बृजेश गुप्ता, चन्द्रसेन वर्मा, रवि बाबू ,रामकुमार सक्सेना, अमुनीश कुमार वर्मा, शिवसरन सिंह , रमा देवी , शीला देवी , राजीव राठौर , इमरान खान अवनीश सक्सेना आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में रेडक्रॉस सचिव ने सभी का आभार प्रकट करते हुए मानव सेवा में सभी से सहयोगी भूमिका की अपेक्षा की ।

शहर मे हूटर व गलत नंबर प्लेटो का दुरुपयोग कर फर्राटे भर रहे वाहन चालक,पुलिस व यातायात कर्मी मौन

अयोध्या।शहर में हूटर व नंबर प्लेट का दुरुपयोग कर भारी संख्या मे वाहन चालक विभिन्न चौराहों पर फर्राटे भरते हुए दिखाई दे रहे हैं।जिस पर पुलिस व यातायात विभाग के अधिकारी व कर्मी अंकुश लगाने मे विफल दिखाई दे रहे है।मालूम हो कि साल में इस विभाग द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा सप्ताह,यातायात माह दिवस के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी इन पर शिकंजा नही कस रहे है।इसके चलते चार पहिया वाहन चालक वाहनों मे हूटर तथा दो पहिया वाहनों यह नंबर प्लेटों पर पुलिस,शिक्षक, पार्टी पदाधिकारी सहित अन्य लोग अपने पदों का नामांकित का इसका उपयोग कर रहे हैं जो कि यातायात नियम के विरुद्ध है।शायद ही शहर का कोई ऐसा चौराहा या मार्ग ना हो जहां पर यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए चार पहिया वाहनों पर हूटर व दो पहिया वाहन चालक नंबर प्लेटों पर अपने वाहनों का पंजीकृत नंबर ना अंकित कर उस पर पुलिस,शिक्षक,सेना, राजनैतिक व गैर राजनैतिक दलों के पदाधिकारी अपने पद का नाम अंकित कराकर घूमते न दिखे।सबसे अधिक दिक्कत जाम लगने का कारण उस समय इनसे होता है जब अवैध तरीके से उलटी दिशा में रंगबाजी से हूटर बजाते हुए चार पहिया वाहन चालक भीड़भाड़ वाले चौराहों से निकलते हैं।ऐसे वाहन चालक शहर के सिविल लाइन, देवकाली बाईपास चौराहा, नाका बाईपास,शांति चौक, रिकाबगंज चौराहा, गुदरी बाजार, चौक, बेनीगंज, रोडवेज, रेलवे स्टेशन, सुभाषनगर, मकबरा, जीआईसी, सहित अन्य प्रमुख चौराहों पर भारी संख्या में दिखाई देते है।जिसके चलते इन चौराहों पर नियमित रूप से ट्रैफिक की स्थिति बहुत ही खराब होती है।इन चौराहों पर कुछ चौराहा कुछ और कर बाकी प्रमुख चौराहों पर नगर निगम द्वारा लगाए गए ट्रैफिक लाइट भी काम नहीं कर रही हैं। वही इन चौराहों पर यातायात के कर्मचारी भी न के बराबर ही रहते हैं जिसके चलते यहाँ पर घंटो जाम भी लगा रहता है।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले, छात्र, सरकारी कर्मी व राहगीर भी घंटे परेशान करते हैं

अयोध्या मंडी समिति द्वारा लाइसेंस नवीकरण के विलंब पर व्यापारियों द्वारा विरोध प्रदर्शन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मंडी समिति द्वारा लाइसेंस नवीनीकरण में हो रहे विलंब को लेकर व्यापारियों ने मंडी समिति जाकर अपना विरोध दर्ज कराया।आयोजित कार्यक्रम में व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष कवींद्र साहनी, जिला महामंत्री रमेश चौरसिया, महानगर कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी तिवारी लालू, महानगर महामंत्री प्रेमनाथ राय , गौरी शंकर अग्रवाल, नीरज सिंहल, पंकज जायसवाल, संजय मित्तल, रितेश साहू, लाल जी, अतुल सिंहल, महेश गुप्ता, जितेंद्र साहू, विष्णु अग्रहरि ,नवल किशोर, अरुण साहू, सौरभ सरीन ,विष्णु, रामेंद्र मोहन मिश्रा पप्पू, दिग्विजय नाथ पाण्डेय सोनू ,अंकित जैन, प्रभात कुमार अग्रवाल ,सहित अन्य व्यापारी मौजूद थे, उक्त जानकारी आईटी सेल अयोध्या के जिला अध्यक्ष मानव मेहरोत्रा ने दी।

अयोध्या में सुबह–शाम गूंजेगा श्रीं हूं अयोध्या की... गीत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रामनगरी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाने की दिशा में नगर निगम अयोध्या ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। गीतकार डॉ. ताराचंद्र श्तन्हाश द्वारा रचित भक्ति गीत श्रीं हूं अयोध्या की, अयोध्या प्रभु राम कीष् भी नगर निगम प्रसारित करेगा। यह गीत प्रतिदिन सुबह और शाम नगर निगम के सार्वजनिक प्रसारण तंत्र के माध्यम से अयोध्या में प्रसारित किया जाएगा।इस गीत के माध्यम से प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था, श्रद्धा और अयोध्या की सांस्कृतिक गरिमा का भावपूर्ण संदेश जन–जन तक पहुंचेगा।गीत को असम की गायिका प्रियंका ने अपनी मधुर आवाज दी है, जबकि इसका संगीत अयोध्या के संगीतकार रवि कपूर ने तैयार किया है।गीत की रिकॉर्डिंग लखनऊ स्थित एपेक्स प्राइम स्टूडियो में की गई है।गीतकार डॉ. ताराचंद्र श्तन्हाश ने सार्वजनिक प्रसारण का अधिकार नगर निगम अयोध्या को प्रदान किया है।

प्राइवेट सेंटरो पर शुजागंज बाजार में यूरिया खाद की कथित कालाबाजारी पर किसानों ने लगाया आरोप

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। रुदौली क्षेत्र के शुजागंज बाजार में यूरिया खाद की कथित कालाबाजारी का मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, प्राइवेट सेंटरो पर किसानों को निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर यूरिया बेची जा रही है।बताया जा रहा है कि एक बोरी यूरिया का सरकारी निर्धारित मूल्य करीब 267 रुपये है, जबकि कुछ दुकानों पर किसानों से 500 रुपये या उससे अधिक वसूले जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इससे किसानों में नाराजगी व्याप्त है। तराई क्षेत्र के कुछ किसानों ने नाम छिपाने के शर्त पर बताया की यूरीया खाद अधिक दामों में हम लोगों को दिया जा रहा है।स्थानीय किसानों का कहना है कि खरीफ सीजन में यूरिया की मांग बढ़ने का फायदा उठाकर कुछ विक्रेता मनमानी कीमत वसूल रहे कहैं। किसानों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

'मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ लेने के लिये 24 जुलाई तक करे आवेदन–डॉ0 मुनीश कुमार'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'हरदोई' सहायक निदेशक मत्स्य डॉ0 मुनीश कुमार ने बताया है, कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं यथा–मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिड़ी योजना एवं सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना योजना के

'जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश लेने के लिये 31 जुलाई तक करे पंजीकरण–निर्भय कुमार'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय, इटारा, पिहानी निर्भय कुमार ने बताया है, कि जवाहर नवोदय विद्यालय हरदोई में कक्षा 06 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म हमारी वेबसाइट दंअवकलं. हवअ.पद पर दिये गये लिंक पर उपलब्ध हैं। सत्र 2027–28 में कक्षा 05 में अध्ययनरत ऐसे छात्र जो मूलतः जनपद हरदोई के निवासी है और जिन्होंने कक्षा 03, 04 बिना किसी अन्तराल के उत्तीर्ण की है। वे सभी पंजीकरण फॉर्म भर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। अतः समस्त अर्ह छात्रफ/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि वे किसी भी जनसेवा केन्द्र/साइबर कैफे स्वयं के मोबाइल व डेस्कटॉप का प्रयोग कर अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।